एशियाई हाथी

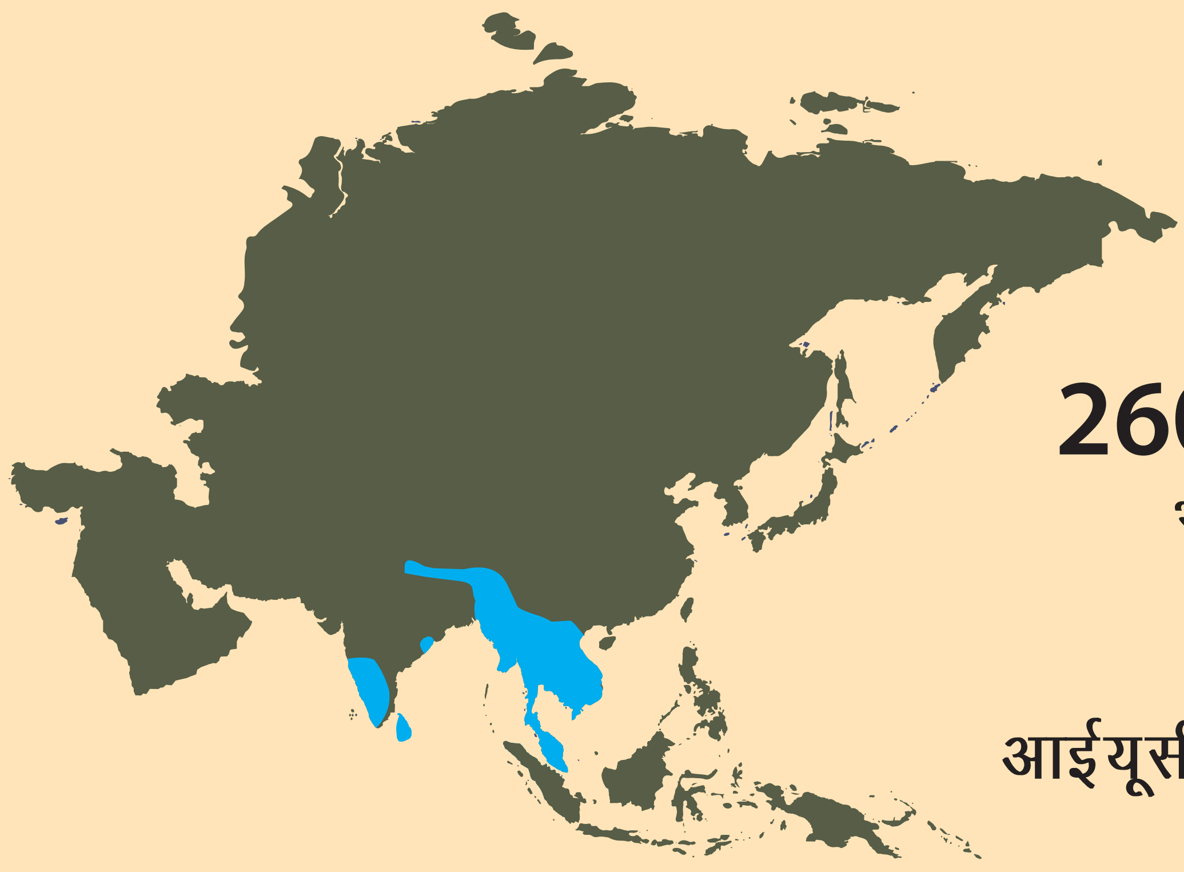

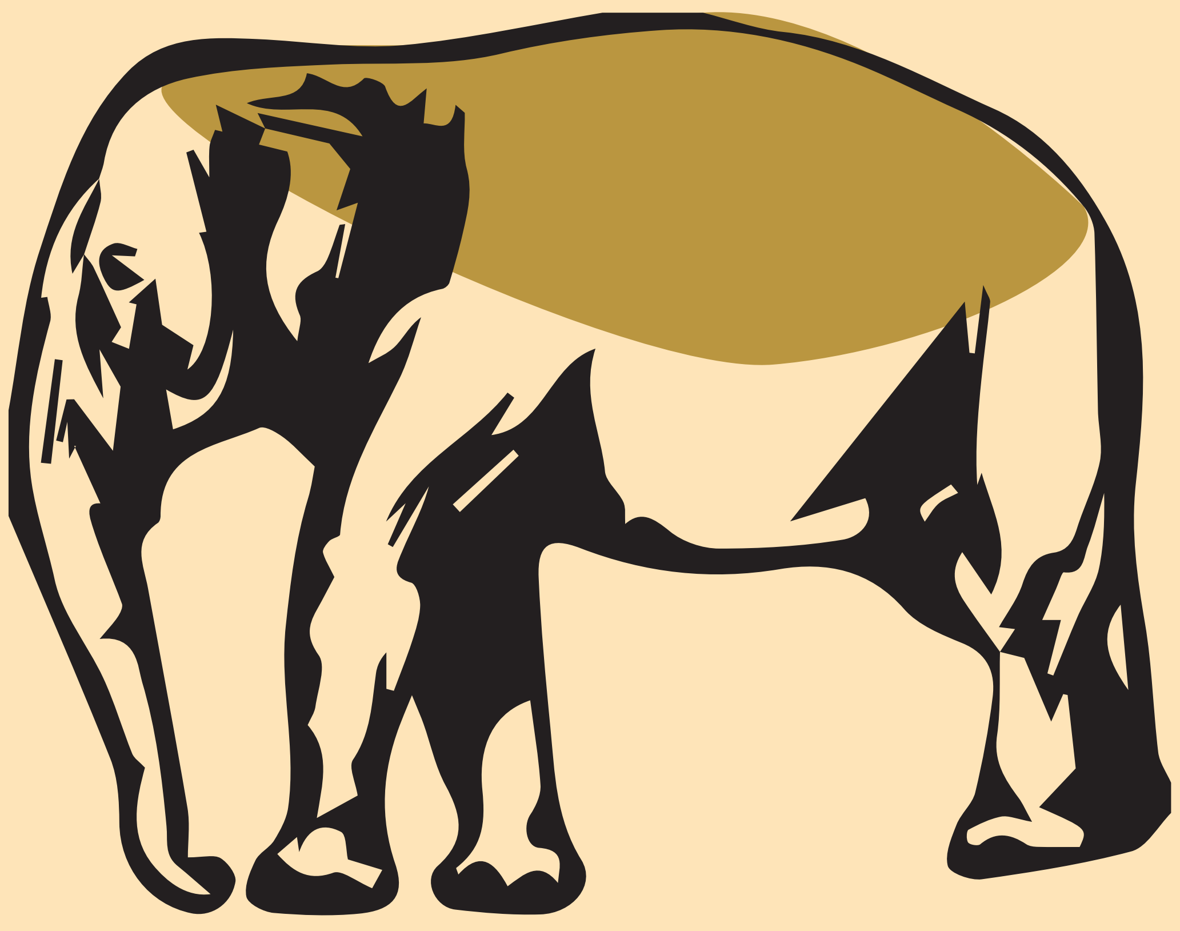

26000 - 29000

भारत में आबादी

आईयूसीएन (IUCN) स्थिति :
विलुप्तप्राय

हाथी का पर्यावास

विस्तृत सीमाए घास से भरपूर सूखे और नम पतझड़ी आवासीय क्षेत्रों में रहना पसंद करता हैं.

आहार

घास, टहनियां, पेड़ों की' छाल, शाखाएं, काष्ठीय पौधे, जड़ी–बूटियां और झाड़ियां
प्रतिदिन 250–300 किलोग्राम

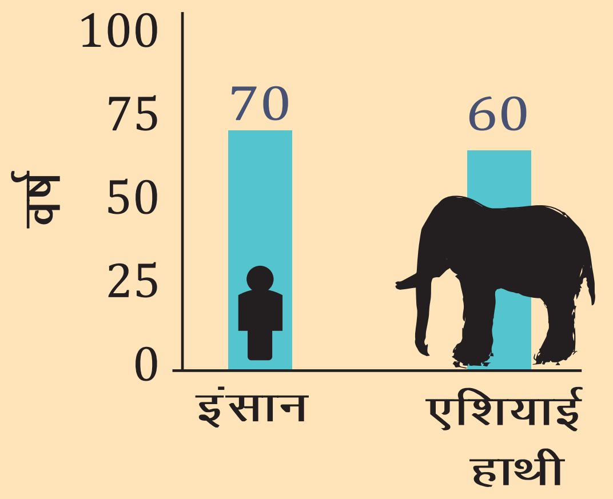

जीवनकाल

60 साल

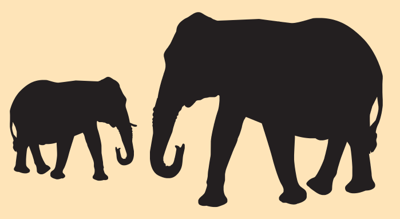

प्रजनन आयु

14 साल

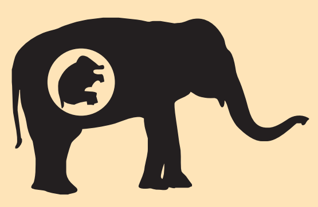

गर्भकाल

18–22 महीने

लंबाई:

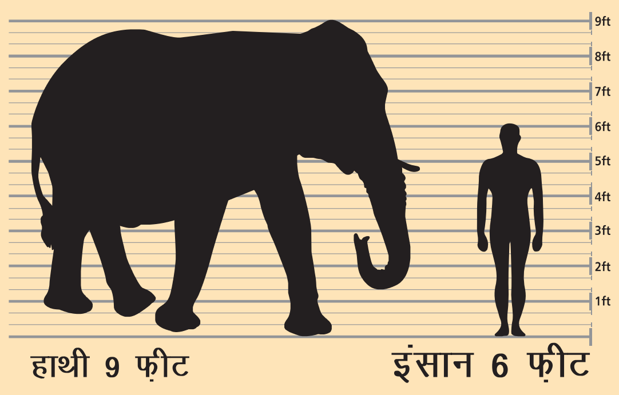

वज़न

शावक: जन्म के समय 100 किलो
हथनी: 2500–4500 किलो
हाथी: 3000–6000 किलो

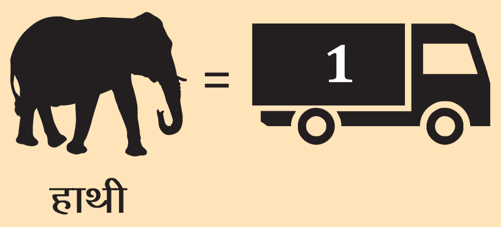

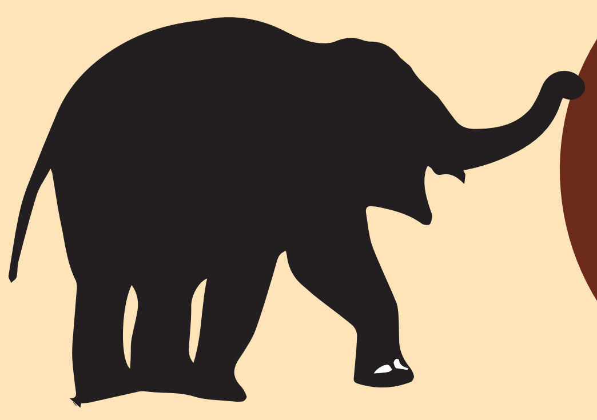

क्या आप जानते हैं?

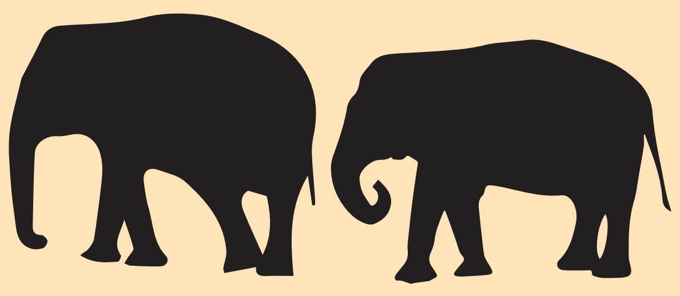

- अत्यंत बुद्धिमान; देखकर औज़ारों के इस्तेमाल की नक़ल करने में सक्षम
- केवल नर एशियाई हाथी के हाथीदांत होते हैं। मखना उन दोनों प्रकार के मादा और नर में से एक होते हैं, जिनके पास हाथीदांत नहीं होते
- कुशल रूप से संपर्क करने और चीज़ों को पकड़ने के लिए अपनी सूंड का इस्तेमाल करता है
- हाथी के झुंड का नेतृत्व वयस्क हथनी करती है जिसे कुलमाता भी कहा जाता है
- भारत में 1000 सालों से अधिक समय से हाथियों को बंदी बनाकर रखने का इतिहास है
- इसमें पसीने की ग्रंथिया नही होती है वह खुद पर मिट्टी फेंकता है और अपने बड़े कानों का उपयोग हवा फैलाने के लिए करता हैं
- इसकी पाचन क्षमता 40% है; अतः पूर्ति करने के लिए यह लगातार खाता रहता है
- इसके लिए छांव आवश्यक है जो इसे निर्जलीकरण से बचाती है
- स्वच्छ और पीने योग्य पानी पीता है

समग्र दृष्टिकोण

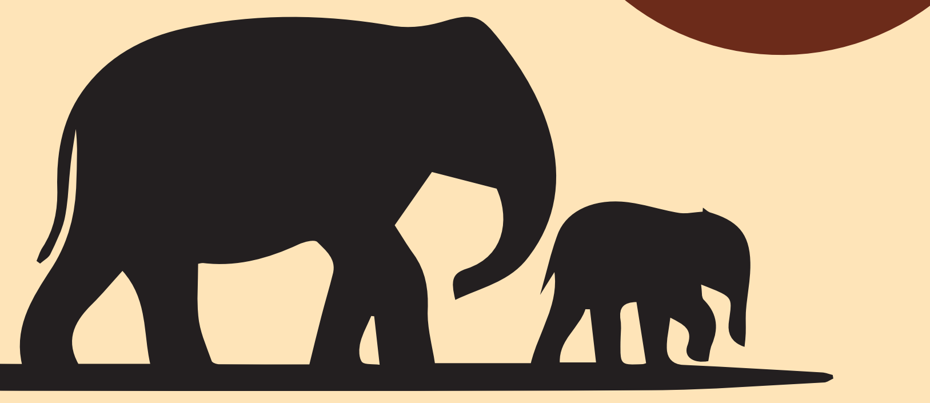

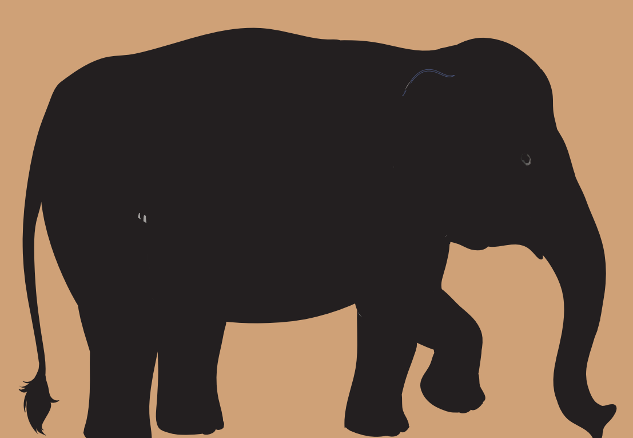

1. हर साल 100 से ज़्यादा हाथी इंसानों द्वारा प्रतिशोध लेने या अवैध शिकार के कारण मारे जाते हैं
2. सभी हाथी फ़सलों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। वैकल्पिक फ़सल उगाने और हाथी को दूर रखने के लिए अस्थायी बाड़ों के इस्तेमाल से (फ़सल परिपक्व होने पर) इन संघर्षों को कम किया जा सकता है
3. हाथी के कारण इंसान तभी मारे जाते हैं जब अचानक हाथी और इंसान का सामना हो जाता है या इंसान हाथी के बहुत पास चला जाता है। समय से पहले चेतावनी प्राप्त करने और हाथियों से दूर रहने के तरीकों का पालन कर इन घटनाओं को रोका जा सकता है
4. वनों की कटाई, कृषि भूमि का विस्तार, इंसानों द्वारा अतिक्रमण, हाथियों के साथ संघर्षों का कारण है

प्रवास

हाथियों के दल की कुलमाता प्रवासी मार्ग को स्पष्ट रूप से याद रखने में सक्षम होती है। पर्यावास विखंडन और प्रवासी मार्ग में रुकावटें इंसानों और हाथियों के बीच संघर्षों को जन्म देती हैं। दल की कुलमाता या वयस्क हाथी की मृत्यु दल के व्यवहार में रुकावट पैदा करता है जिससे ऐसे संघर्ष और भयंकर बन जाते हैं

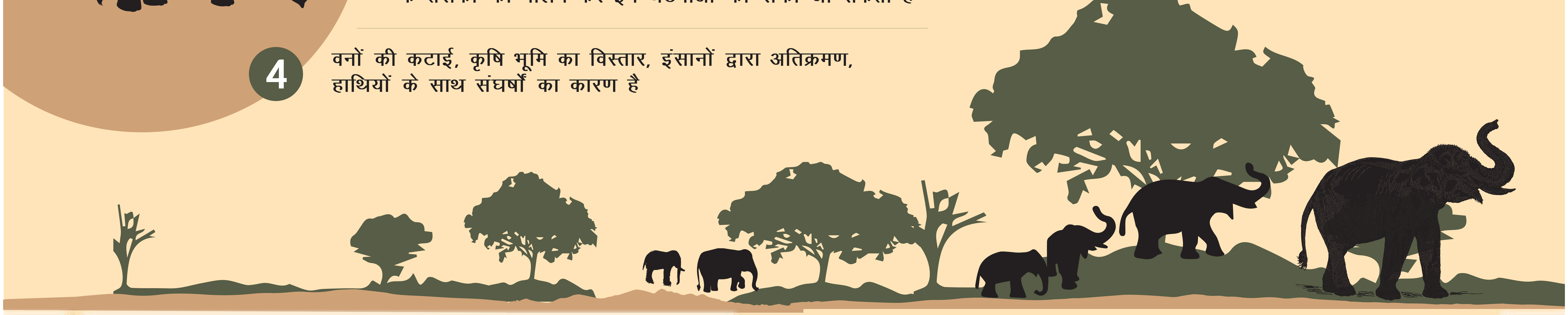

भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत–जर्मनी सहयोग
2017 – 2023
भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन
के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहास्तित्व पद्धति का क्रियान्वयन

german cooperation
DEUTSCHE ZUSAMMENARBEIT
Implemented by
giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH
Ministry of Environment, Forest and Climate Change Government of India
FOREST DEPARTMENT KARNATAKA
Directorate of Forests Government of West Bengal
Centre for Environment Communication
Environment is First
आज़ादी का अमृत महोत्सव
LiFE Lifestyle for Environment
G20 2023 INDIA